# First page of the published book/chapter with seal and signature of the Principal in 2020-21

The 15th Anniversary of

# BICON-2020

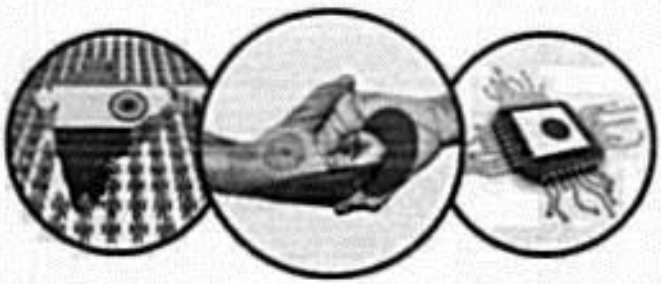

The E-Proceedings of Conference on

# THE NEW NORMAL

Industry-Academia Alliance in the Post COVID-19 Era

December 17-19, 2020

ISBN: 978-93-83462-98-8

Organized by:

प्राचार्य
बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज
Principal
Biyani Girls B.Ed College
Jaipur

Biyani Group of Colleges

Jaipur, India

# TABLE OF CONTENTS


## INVITED LECTURES

| | | |
|---|---|---|
| IL 1 | Future of Law Education Specifically For Women<br>*Syed Shahid Hasan* | 112 |
| IL 2 | Teaching as a Carrier Opportunities<br>*Ramesh H. Makwana* | 113 |
| IL 3 | Re- Discovery Profession of Law:- Practical challenges and opportunities<br>*Chiranji Lal Saini* | 114 |
| IL 4 | Rediscovering Career Passion, Training and Job- opportunities in Law and Legal Education.<br>*Shobha Gupta* | 115 |

## ABSTRACTS

| | | |
|---|---|---|
| A01 | Status of CSA in India and World, the Objectives and Need of Legal Education in the Context of Good and Bad Touch<br>*Dr. Arti Gupta* | 116 |
| A02 | महिला सशक्तिकरण में कौशल शिक्षा की भूमिका<br>*नीलम कुमारी* | 117 |
| A03 | कौशल शिक्षा में साइबर जागरूकता की भूमिका<br>*सुनीता कुमारी शर्मा* | 118 |
| A04 | सामाजिक विज्ञान के छात्रों के लिए कैरियर विकल्प के रूप में शिक्षण<br>*डॉ. भारती शर्मा* | 119 |
| A05 | Teaching During COVID-19 in Gujarat : The New Normal<br>*Binu Singh* | 120 |
| A06 | Teaching as a Career : For Social Science Students<br>*Ridhi Jajoo* | 120 |
| A07 | Career in Law<br>*Nishant Rathore* | 121 |
| A08 | Abstract on Law carrier Options : Job, Courses, and Opportunities<br>*Honhar Sharma* | 122 |
| A09 | Status of Legal Education in India in a Global Context<br>*Tanu Galyan* | 123 |
| A10 | Status of Legal Education in India in a Global Context<br>*Rehana Khan and Nehal Mittal* | 123 |
| A11 | Changing Nature of Legal Education Due to Globalization<br>*Anupama Goyal* | 124 |
| A12 | Legal Career Options: Job, Opportunities and Courses<br>*Kunjal Palawat* | 125 |
| A13 | Career in Public Administration<br>*Ayushi Verma and Vithika Gupta* | 126 |
| A14 | लॉ में रोजगार के विकल्प<br>*जय कुमार जैन* | 126 |



ISBN: 978-93-83462-98-8

# कौशल शिक्षा में साइबर जागरूकता की भूमिका

सुनीता कुमारी शर्मा

*सहायक व्याख्याता, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर*

**सारांश:**


S
K
A B I L I T I E S
L
K N O W L E D G E

वर्तमान समय में हम इन्टरनेट का प्रयोग, सम्प्रेषण का प्रयोग खोजने के लिए, मनोरंजन के लिए, खरीददारी के लिए और शिक्षा के क्षेत्र में करते है। प्रत्येक व्यक्ति इन्टरनेट का प्रयोग किसी न किसी रूप में अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए कर रहा है, लेकिन इन्टरनेट की पूर्ण जानकारी न होने के कारण, वह जाने–अनजाने में कई अपराधों को अंजाम देता है। जिससे वह बेखबर रहता है। इन्ही इन्टरनेट अपराधों में साइबर क्राइम शामिल है।

हमारा भारत देश युवाओं का देश कहा जाता है, ऐसे में ये बेहद जरूरी हो जाता है कि युवा वर्ग अपने कौशल का विकास करे ताकि उन कोशलों के माध्यम से वे खुद के जीवन में बदलाव ला सके, साथ ही साथ देश को भी आर्थिक रूप से मजबूती प्रदान कर सकें, लेकिन हमारा युवा अपने कौशल का दुरूपयोग कर रहे है। और अपने कौशल का उपयोग लोगों को हानि पहुंचाने में कर रहे है। इसलिए यह जरूरी है कि हमारे युवाओं को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान की जाए ताकि वे समझ सकें कि उनके लिए क्या सही है और क्या गलत है? कौशल योजना का उद्देश्य यही है कि वे लोगों में जागरूकता और आत्मविश्वास जगा सकें, जिससे कि उनके उत्पादन में वृद्धि हो सकें। एक ओर कौशल विकास के लाभ है तो वही कुछ सावधानियां भी जरूरी है, क्योंकि जिस प्रकार हर सिक्के के दो पहलू होते है, उसी प्रकार तमाम साइबर ठग भोले–भाले लोगों को चूना लगाने की फिराक में बैठे रहते है। अगर इनसे न बचा जाये तो न सिर्फ बड़ी हानि होने की सम्भावना रहती है, बल्कि भविष्य में अच्छी योजनाओं पर शक होने लगता है। इसलिए इन अपराधियों से निपटने के लिए जरूरी है– **जागरूकता।**


**मुख्य बिन्दु:** अपराध, साइबर अपराध, जागरूकता, कौशल।

❑❑❑

प्राचार्य
बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज

 ISBN: 978-93-83462-98-5

# महिला सशक्तिकरण में कौशल शिक्षा की भूमिका

**नीलम कुमारी**
*सहायक व्याख्याता, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर*

**सारांशः**

मनु का कहना है–

"यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमते तत्र देवता
यत्रैतास्तु न पूज्यन्तें, सर्वास्तत्रा फलाः क्रिया"

अर्थात् जहां नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता वास करते है। पूजा का अर्थ है, सम्मान से। जहाँ इनका सम्मान नहीं होता, वहाँ प्रगति, उन्नति की सारी क्रियाएं निष्फल हो जाती है।

वर्तमान परिपेक्ष्य में महिलाओं को पुरूषों के समान अधिकार एवं स्थान प्राप्त है। वर्तमान समय में महिलाओं के शैक्षिक स्तर में सुधार व बालिकाओं की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए महिला सशक्तिकरण के आयामों के बारे में जानना आवश्यक है।

**महिला सशक्तिकरण के आयामः** सामाजिक सशक्तिकरण, आर्थिक सशक्तिकरण, राजनैतिक सशक्तिकरण, पारिवारिक सशक्तिकरण, संवैधानिक सशक्तिकरण, शैक्षिक सशक्तिकरण

जब नारी इन सभी सशक्तिकरणां में सशक्त होगी तो उसका सर्वांगीण विकास सम्भव है, क्योंकि शैक्षिक सशक्तिकरण को सभी आयामों का आधार कहा जाता है। शैक्षिक सशक्तिकरण से महिलाओं को विभिन्न क्षेत्रों में क्रियाशील, विवेकशील व प्रभावी बनाकर अपने स्वरोजगार हेतु प्रेरित कर सकते है। आर्थिक रूप से संशक्त महिलाओं की स्थिति भी सुदृढ़ होती है। वह अपने साथ–साथ परिवार व देश के विकास में भी अपनी भागीदारी निभाती है।

महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अनेक कौशल व स्वरोजगार के कार्यक्रम चलाये जा रहे है, जिनमें प्रमुख है– संचार कौशल, सिलाई प्रशिक्षण, ब्यूटीशियन, कम्प्यूटर, विभिन्न भाषाओं का विकास, महिला ई–हाट डिजिटल मंच, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, स्वावलंबन, राष्ट्रीय मातृत्व लाभ योजना।

इस प्रकार महिलाओं को कौशल शिक्षा प्रदान करने से वह अपना स्वय का रोजगार प्राप्त कर सकती है, तथा आर्थिक रूप से सशक्त हो जाती है।

**मुख्य बिन्दुः सशक्तिकरण कौशल, आयाम, कार्यक्रम**

❑❑❑

बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज


ISBN: 978-93-83462-98-5

## Abstracts

# Status of CSA in India and World, the Objectives and Need of Legal Education in the Context of Good and Bad Touch

**Dr. Arti Gupta**
*Assistant Professor, Biyani Girls B.Ed. College, Jaipur*

**Abstract:**

Today Child sexed abuse is one of the most serious problems. Then whether it is matter of India's Perspective or of the global world. In view of the increasing these kind of crimes in the present, it is very important to be given legal education to everyone, thus they can be aware of their rights. The main motive of that law is to aware people or especially children that how should they react at the situation of good and bad touch. This research paper mainly focus on the legal education in the relation to good and bad touch, its objective and need for the children or general people and also the status of legal education in India or in Global context (laws).These days, there are frequent cases that are increasing related to child sexual abuse in India as well as in global world

This convention applies to every child under the age of 18 without any dis crimination. Under article 34 of the convention, every child has the right to before from sexual misconduct. In India the most prominent law against child sexual abuse, that is protection of children against sexual offenses act (POCSO) passed in 2012.There are some objectives of Legal education in India as well as in the world for child sexual abuse like- Knowing the signs : How to identify child maltreatment, Legal information is necessary for awareness of crimes related to child sexual abuse or good and bad touch, To get the offender punished appropriately, To create a fear free environment of children, To increase knowledge and skills regarding law, For information about the rights against child sexual abuse.

In view of the increasing these kind of crimes in the present, It is needful and also very important that all children and their parents, teachers are aware of the laws, that they can protect themselves and their children and students from CSA. And also they can explain to the children that how should they react at the situation of good and bad touch.

CSA or good and bad touch, is not a new problem for the world. These crimes occur equally in India as well as abroad. Such crimes with children increases while individuals are not aware of the laws and they suppress the incidents on spot So today, there is a strong need that everyone should be given the Legal education that they can control such crimes in society. It is very important to know that the law is to protect of rights. India being a common law country has an advantage of having a legal system which is similar to many other countries of the world. Legal education is an investment, which if wisely made will produce most beneficial results for the nation and accelerate the pace of development.

**Keywords:** Criminals, Child sexual abuse, Good and bad touch, Legal education

□□□

प्राचार्य
बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज
सेक्टर-3, विद्याधर नगर, जयपुर

# सामाजिक विज्ञान के छात्रों के लिए कैरियर विकल्प के रूप में शिक्षण

**डॉ. भारती शर्मा**

*सहायक व्याख्याता, बियानी गर्ल्स बी.एड. कॉलेज, जयपुर*

**सारांश:**

सामाजिक विज्ञान विषय की ऊपरी परत हटाकर देखें तो हम पाएंगे कि उसकी बुनियादी प्रकृति का सरोकार लोगों, जगहों और संस्थाओं के किस्से कहानियों से ही होता है। उन्हें हम अपने चारों ओर कहानियों में बदलता हुआ देखते हैं। चाहे टीवी हो या फिल्म पर्दे पर हो या फिर अखबारों में।

सामाजिक विज्ञान विषय हमारे अपने जीवन के बारे में होता है। सामाजिक विज्ञान के अंतर्गत जो विषय होते हैं अतीत से हमारा संबंध जोड़ते है ताकि हम यह समझे और उसकी कदर करें कि हम जहां अभी हैं वहां तक कैसे आए। यह विषय हम पर शासन करने वाली संस्थाओं के माध्यम से हमें वर्तमान से भी जोड़ते हैं तथा हम जिस पारिस्थितिकी तंत्र का हिस्सा है,उसकी समझ हमारे भीतर विकसित करके अतीत और वर्तमान को परिचित संदर्भ में हमारे सामने लाते हैं। वास्तविकता यह है कि सामाजिक विज्ञान एक बेहतर दुनिया बनाने का सपना देखने में हमारी मदद करता है। जीवन जीना एक सुंदर कला है, जो सामाजिक अध्ययन की विषय वस्तु से आती है।

सामाजिक विज्ञान विषय में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद आप किसी भी प्राइवेट स्कूल में शिक्षण कार्य करवा सकते हैं। B.Ed. करने के बाद आप राज्य द्वारा प्रायोजित अध्यापक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण कर के सरकारी अध्यापक बन सकते हैं। सामाजिक विज्ञान विषय में नेट उत्तीर्ण करने के बाद आप किसी भी कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर बन सकते हैं। सामाजिक विज्ञान विषय में पीएचडी धारक एसोसिएट प्रोफेसर बन सकते हैं।और प्रिंसिपल भी। फिर जैसे–जैसे आपको अनुभव होता जाएगा आप शोध के क्षेत्र में और लोगों को भी शोध कार्य में आगे बढ़ा सकते हैं।

जो भी शिक्षार्थी नाइंथ क्लास से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक सामाजिक विज्ञान का बहुत गंभीरता से अध्ययन करते हैं वही विद्यार्थी आगे चलकर IAS, RAS, Social Worker, मीडिया, कॉर्पोरेट घराने में नौकरी रिसर्च इंस्टीट्यूट में प्रवेश,एनजीओ से जुड़कर समाज से जुडे विषय जैसे पर्यावरण, लिंग भेद पर काम कर सकते हैं। सरकारी संगठनों से जुड़ सकते हैं। वर्तमान में कैरियर के ऑप्शन ने सामाजिक विज्ञान विषय के महत्व को बढ़ा दिया है।

**मुख्य बिन्दु :** मूल्य, लोकतांत्रिक, तर्कस्वरूप, संस्कृति।

□□□

प्राचार्य
बियानी गर्ल्स बी. एड. कॉलेज



ISBN 978-93-83462-98-5